

SHRI P. WILSON (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. FAUZIA KHAN (Maharashtra): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI JOHN BRITTAS (Kerala): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

### **Need to stop atrocities against *Dalits* in Rajasthan**

**श्री रामजी** (उत्तर प्रदेश) : महोदय, 26 जनवरी, 1950 को देश में संविधान लागू हुआ और बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर जी ने देश में सदियों से गुलामी का जीवन जीने वाले दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों, वंचितों को संवैधानिक अधिकार देकर, इन कमजोर वर्ग के लोगों को बराबरी का दर्जा देकर मुख्य धारा में लाए और इनकी गुलामी को खत्म किया।

इन संवैधानिक अधिकारों की वजह से दलित आदिवासी भी शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़े और इनकी आर्थिक स्थिति में थोड़ा-सा सुधार हुआ है, जिससे आज इनके रहन-सहन में सुधार हुआ है, लेकिन देश में कुछ गंदी मानसिकता के लोगों को यह मंजूर नहीं है और ये लोग ही पूरे देश में दलितों और आदिवासियों पर अत्याचार करते हैं। इसके कुछ ज्वलन्त उदाहरण इस प्रकार हैं- राजस्थान में ही एक दलित नवयुवक जितेन्द्र मेघवाल का मर्डर सिर्फ मूंछ रखने और अच्छे कपड़े पहनने के कारण हुआ। अलवर में दलित नवयुवक को कार से कुचलकर मार डाला, ऐसे ही हनुमानगढ़ में विनोद मेघवाल, जगदीश मेघवाल का मर्डर हुआ। भरतपुर में दलित युवक के साथ मॉब लिंगिंग कर उसको भी मार दिया गया। अलवर, धौलपुर और डीडवाना में दलित लड़कियों के साथ बलात्कार किया गया और यहां तक कि डीडवाना में लड़की की मौत भी हो गई।

श्रीमन्, ज्यादातर अपराधों में अपराधियों को सजा ही नहीं मिलती, इसलिए वहां पर दलितों और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार में बेतहाशा वृद्धि हुई है। अतः आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से मेरा अनुरोध है कि दलितों के ऊपर हो रहे अत्याचार और उत्पीड़न को रोकने हेतु और भी ठोस कदम उठाए जाएं एवं विधि सम्मत कार्रवाई की जाए। \*

---

\* Not recorded.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please. ...(Interruptions)... Time is over. ...(Interruptions)... यह रिकॉर्ड पर नहीं जा रहा है।

**श्री विशम्भर प्रसाद निषाद** (उत्तर प्रदेश) : महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

**श्रीमती फूलो देवी नेतम** (छत्तीसगढ़) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करती हूँ।

**श्री रामकुमार वर्मा** (राजस्थान) : महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूँ।

DR. SANTANU SEN (West Bengal): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. KANIMOZHI NVN SOMU (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI M. MOHAMED ABDULLA (Tamil Nadu): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. AMAR PATNAIK (Odisha): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

SHRI ABIR RANJAN BISWAS (West Bengal): Sir, I too associate myself with the issue raised by the hon. Member.

DR. V. SIVADASAN (Kerala): Sir, I too associate myself with the Special Mention made by the hon. Member.

---

#### **MATTERS RAISED WITH PERMISSION - Contd.**

#### **Need to officially declare 2022-23 as the death centenary year of Chhatrapati Shahu Maharaj**

SHRI SAMBHAJI CHHATRAPATI (Nominated): Sir, this year from 6<sup>th</sup> May onwards, we will be commemorating the death centenary of Chhatrapati Shahu Maharaj, who is